"श्री अमृत वाणी" – "स्वर-लिपि" पृष्ठ-1

"सर्वशक्तिमते परमात्मने श्री रामाय नमः (७)

सा	नि़	सा	रे	रे	रे	रे	
स	र्व	श	क्ति	म	ते	ऽ	
रे	सा	सारे	ग	ग	ग	ग	ग
प	र	माऽ	ऽ	ऽ	त्म	ने	ऽ
ग	म	रे	रे	ग	रे	सा	सा
श्री	ऽ	रा	मा	य	न	मः	ऽ

(सात बार)

रामकृपा अवतरण –

परम – कृपा सुरूप है, परम – प्रभु श्री राम ।
जन पावन परमात्मा, परम पुरूष – सुखधाम ॥

सा	ध़	ध़	सा	सा	—	—	रे
प	र	म	कृ	पा	ऽ	ऽ	सु
रे	म	म	म	म	—	—	—
रू	ऽ	ऽ	प	है	ऽ	ऽ	ऽ
म	म	प	म	ग	—	रे	सा
प	र	म	प्र	भु	ऽ	श्री	ऽ
रे	ग	—	—	रे	—	सा	सा
रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म
सा	सारे	रे	रे	रे	रे	रे	सा
ज	नऽ	पा	ऽ	व	न	प	र
सा	ग	रे	सा	नि़	—	—	—
मा	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	ऽ	ऽ
सा	सा	रे	रे	ग	ग	रे	सा
प	र	म	पु	रू	ष	सु	ख
सा	—	—	सा				
धा	ऽ	ऽ	म				
X		0		X		0	

नोट – कहरवा ताल – (8 मात्रा) दुगुन में बजाई जायेगी

धगे	नति	नके	धिन	धगे	नति	नके	धिन
X		0		X		0	

सुरवदा है शुभा-कृपा, शक्ति शान्ति स्वरूप ।
है ज्ञान आनन्दमयी, राम कृपा अनूप ॥

प	प	प	प	प	प	प	म
सु	रव	दा	ऽ	है	ऽ	ऽ	शु
म	च्च	प	म	म	म	म	म
भा	ऽ	ऽ	कृ	पा	ऽ	ऽ	ऽ
म	म	प	म	ग	गग	रे-	सा
श	ऽ	क्ति	शा	ऽ	न्ति	स्व	ऽ
रे	ग	—	—	रे	—	सा	सा
रू	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	प
सा	सारे	रे	रे	—	रे	रे	सा
है	ऽऽ	ऽ	ज्ञा	ऽ	न	आ	ऽ
सा	ग	रे	सा	नि़	नि़	नि़	नि़
न्न	ऽ	द	मं	यी	ऽ	ऽ	ऽ
सा	सा	रे	रे	ग	ग	रे	सा
रा	ऽ	म	कृ	पा	ऽ	ऽ	अ
सा	सा	सा	सा				
नू	ऽ	ऽ	प				
X	0			X	0		
सम	खाली			सम	खाली		

नोट - ताल कहरवा (8 मात्रा) दुगुन में बजाई जायेगी

नमस्कार सप्तक

पृ-4

करता हूँ मैं वन्दना, नत शिर बारम्बार ।
तुम्हें देव परमात्मन्, मंगल शिव शुभकार ॥

सा	धृ	धृ	सा	सा	सा	सा	रे
क	र	ता	ऽ	हूँ	ऽ	मैं	ऽ
रे	रेम	म	मम	म	म	म	म
व	ऽऽ	ऽ	न्द	ना	ऽ	ऽ	ऽ
म	म	प	म	ग	–	रे	सा
न	त	शि	र	बा	ऽ	र	म्ब
रे	ग	–	–	रे	–	सा	सा
बा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
सा	सा	रे	रे	रे	रे	रे	सा
तु	म्हें	ऽ	दे	ऽ	व	प	र
सा	ग	रे	सा	नि	–	–	नि
मा	ऽ	ऽ	r	म	ऽ	ऽ	न
सा	सा	रे	रे	ग	ग	रे	सा
मं	ऽ	ग	ल	शि	व	शु	भ
सा	–	–	सा				
का	ऽ	ऽ	र				
X		O		X		O	

अंजलि पर मस्तक किये, विनय भक्ति के साथ ।
नमस्कार मेरा तुम्हें, होवे जग के नाथ ॥

प	–	प	प	प	प	प	म
अं	ऽ	ज	लि	प	र	म	स्
म	ध	प	म	म	–	–	–
त	क	ऽ	कि	ये	ऽ	ऽ	ऽ
म	म	प	म	ग	ग	रे	सा
वि	न	य	भ	ऽ	क्ति	के	ऽ
रे	ग	–	–	रे	–	सा	सा
सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	थ
सा	सा	रे	रे	रे	रे	रे	सा
न	म	स्	का	ऽ	र	मे	ऽ
सा	ग	रे	सा	नि़	–	नि़	–
रा	ऽ	ऽ	तु	म्हें	ऽ	ऽ	ऽ
सा	सा	रे	रे	ग	ग	रे	सा
हो	ऽ	वे	ऽ	ज	ग	के	ऽ
सा	–	–	सा				
ना	ऽ	ऽ	थ				
X		0		X		0	

ताल कहरवा – (8 मात्रा) दुगुन में बजायी जाती है

"प्रातः पाठ"

परमात्मा श्री राम परम-सत्य, प्रकाश-रूप
परम ज्ञानानन्द-स्वरूप, सर्वशक्तिमान,
एकैवाद्वितीय परमेश्वर, परम-पुरुष
दयालु देवाधिदेव है, उसको बार-बार
नमस्कार, नमस्कार, नमस्कार, नमस्कार ॥

ऩि ऩि ऩि ऩि ऩि ध़ ऩि - ऩि ऩि
प र मा त्मा श्री ऽ रा म

सा सा सा सा-सा सा सा सा सा सा
प र म स त्य प्र का श रू प

सा प़ प़ रे रे-रे-सा रे रे रे रे रे रे रे
प र म ज्ञाऽनाऽनन्द स्व रू प

सा ग ग ग ग ग ग गरेरे रे रे - रे रे सा
स र्व श क्ति मा न एऽकैऽवाऽद्वि ती य

सा सा सा - सा सा सा ऩि ऩि ऩि ऩि ऩि ऩि
प र मे ऽ श्व र प र म पु रु ष

ऩि ऩि - ऩि ध़ ध़-सा-सा सा-सा सा सा
द याऽलुऽ देऽवाऽधि दे ऽ व है ऽ

सा सा ऩि ऩि रेरे रे रे रे रे सा साग रेग
उ स को बाऽर बार नमस् काऽ ऽऽ

ग ग रे रे रे रे रे रे गरेगरे सा
न म स्का र न म स् काऽऽऽ र

प़ सा सा सा सा सा
न म स्का र

"अमृतवाणी"

रामामृत पद पावन वाणी ,
राम-नाम धुन सुधा समानी ।
पावन-पाल राम-गुण-ग्राम ,
राम राम जप राम ही राम ॥ १ ॥

सा	सा	रे	सा
रा	ऽ	मा	ऽ
सा	सा	रे	म
पा	ऽ	व	न
सा	सा	रे	सा
रा	ऽ	म	ना
सा	रे	रे	म
सु	धा	ऽ	स
म	म	म	ग
पा	ऽ	व	न
ग	ग	रे	सा
ऽ	म	गु	ण
सा	सा	रे	सा
रा	ऽ	म	रा
सा	सा	रे	म
रा	ऽ	म	ही
X		0	

नोट - कहरवा ताल - (8 मात्रा)

नि	सा	सा	प
मृ	त	प	द
ग	ग	रे	रे
वा	ऽ	णी	ऽ
नि	सा	सा	प
ऽ	म	धु	न
ग	ग	रे	रे
मा	ऽ	नी	ऽ
म	प	म	म
पा	ऽ	ठ	रा
रे	ग	रे	रे
ग्रा	ऽ	ऽ	म
नि	सा	सा	प
ऽ	म	ज	प
ग	ग	रे	रे
रा	ऽ	म	ही
X		0	

दुगुन में बजाई जायेगी

परम सत्य परम विज्ञान,
ज्योति - स्वरूप राम भगवान ।
परमानन्द, सर्वशक्तिमान,
राम परम है राम महान ॥ १ ॥

म	म	म	ग	म	पप	म	म
प	र	म	स	ऽ	त्य	ऽ	प
ग॒	ग॒	रे	सा	रे	ग॒	रे	रे
र	म	वि	ऽ	ज्ञा	ऽ	ऽ	न
सा-	सा	रे	सा-	नि़	सा	सा	प़
ज्यो	ऽ	ति	स्व	रू	ऽ	प	रा
सा	सा	रे	म	ग॒	ग॒	रे	रे
ऽ	म	भ	ग	वा	ऽ	ऽ	न
म	म	म	ग	म	प	म	म
प	र	मा	ऽ	न्	द	स	र्व
ग॒	ग॒	रे	सा	रे	ग॒	रे	रे
श	ऽ	क्ति	ऽ	मा	ऽ	ऽ	न
सा	सा	रे	सा	नि़	सा	सा	प़
रा	ऽ	म	प	र	म	है	ऽ
सा	सा	रे	म	ग॒	ग॒	रे	रे
रा	ऽ	म	म	हा	ऽ	ऽ	न
X		0		X		0	
सम		खाली		सम		खाली	

राम राम जप हे मना,
अमृत वाणी मान ।
राम नाम में राम को,
सदा विराजित जान ॥ 8 ॥

ग - ग   ग - ग   ग रे
रा ऽ म   रा ऽ म   ज प

रेगम   ग - म - - -
हेऽऽ   म ऽ ना ऽ ऽ ऽ

म म प म   ग - रे सा   रे म म म
अ ऽ मृ त   वा ऽ णी ऽ   मा ऽ ऽ न

ध - ध   ध - ध   ध प
रा ऽ म   ना ऽ म   में ऽ

पधनि   नि   धप   मगरे
राऽऽ   ऽ   मऽ   कोऽऽ

रे रे रे   रे म ग रे सा   सा सा सा सा
स दा ऽ   वि रा ऽ जि त   जा ऽ ऽ न

धुन नं० -(1)

बोलो राम, बोलो राम, बोलो राम राम राम ।

						सा-	सानि
						बोऽ	लोऽ
सारे	रेरे	रे	रेसा	रेग	गग	गग	गम
राऽ	ऽम	बो	लोऽ	राऽ	ऽम	बोऽ	लोऽ
रे	रेरे	ग	रेरे	सा	सा	सा-	सानि
रा	ऽम	रा	ऽम	रा	म,	बोऽ	लोऽ
सारे	रेरे	रे	रेसा	रेग	गग	गग	गम
राऽ	ऽम	बो	लोऽ	राऽ	ऽम	बोऽ	लोऽ
रे	रेरे	ग	रेरे	सा	सा		
रा	ऽम	रा	ऽम	रा	म,		
X		0		X		0	

धुन नं० -(2)

श्री राम श्री राम श्री राम राम राम

						म	म
						श्री	ऽ
म	ग	म	पम	ग	ग	रे	सा
रा	म	श्री	ऽऽ	रा	म	श्री	ऽ
रे	रे	ग	रे	सा	सा	म	म
रा	म	रा	म	रा	म,	श्री	ऽ
म	ग	म	पम	ग	ग	रे	सा
रा	म	श्री	ऽऽ	रा	म	श्री	ऽ
रे	रे	ग	रे	सा	सा,		
रा	म	रा	म	रा	म		
X		0		X		0	

ताल कहरवा -(8 मात्रा) दुगुन में बजायी जाती है

राम राम

Facebook Group: https://www.facebook.com/groups/shreeramsharnamnewdelhi/
Community page: https://www.facebook.com/ShreeRamSharnam.AmritvaniSatsang.NewDelhi

धुन नं॰ -(3)
"जय जय राम, जय जय राम, जय जय राम राम राम"।

						सासा	सानि़
						जय	जय
सारे	रेरे	रेरे	रेसा	रेग	गग	गग	गम
राऽ	ऽम	जय	जय	राऽ	ऽम	जय	जय
रे	रे	ग-	रेरे	सा	सा	सासा	सानि़
रा	म	राऽ	ऽम	रा	म	जय	जय
सारे	रेरे	रेरे	रेसा	रेग	गग	गग	गम
राऽ	ऽम	जय	जय	राऽ	ऽम	जय	जय
रेरे	रेरे	ग-	रेरे	सा	सा	सा	सा
राऽ	ऽम	राऽ	ऽम	रा	ऽ	ऽ	म

धुन नं॰ - (5)
"जय राम जय राम, जय जय राम,
राम राम राम राम, जय जय राम।"

पप	पम	मग	गम	मप	पप	प	प
जय	राम	जय	राम	जय	जय	रा	म
मग	गरे	रेरे	गम	गरे	रेसा	सा	सा
राम	राम	राम	राम	जय	जय	रा	म
पप	पम	मग	गम	मप	पप	प	प
जय	राम	जय	राम	जय	जय	रा	म
मग	गरे	रेरे	गम	गरे	रेसा	सासा	सानि़
राम	राम	राम	राम	जय	जय	रा	म
X		O		X		O	
सम		खाली		सम		खाली	
						राम राम	

धुन नं०-(5)

पतित पावन नाम, भज ले राम राम राम ।
भज ले राम राम राम, भज ले राम राम राम ॥

पप	पप	प-	पध	पध	निनि	चप	पम
पति	ऽत	पाऽ	वन	नाऽ	ऽम	भज	लेऽ
ग-	गग	म-	पप	म	म	ग	म
राऽ	ऽम	राऽ	ऽम	रा	ऽ	ऽ	म
पप	पप	प-	पध	पध	निनि	चप	पम
पति	ऽत	पाऽ	वन	नाऽ	ऽम	भज	लेऽ
ग-	गग	म-	पप	म-	मग	रेसा	सानि
राऽ	ऽम	राऽ	ऽम	शाऽ	ऽम	भज	लेऽ
सारे	रेरे	रे-	रेसा	रेग	गग	गग	गम
राऽ	ऽम	राऽ	ऽम	राऽ	ऽम	भज	लेऽ
रे-	रेरे	ग-	रेरे	सा	सा	सासा	सानि
राऽ	ऽम	राऽ	ऽम	रा	म	भज	लेऽ
सारे	रेरे	रे-	रेसा	रेग	गग	गग	गम
राऽ	ऽम	राऽ	ऽम	राऽ	ऽम	भज	लेऽ
रे-	रेरे	ग-	रेरे	सा	सा	सा	सा
राऽ	ऽम	राऽ	ऽम	रा	ऽ	ऽ	म
X		0		X		0	

ताल कहरवा - (8 मात्रा) दुगुन में बजायी जायेगी ।

राम राम

धुन नं० –(6)

अशरण शरण शान्ति के धाम,
मुझे भरोसा तेरा राम ।
मुझे भरोसा तेरा राम,
मुझे भरोसा तेरा राम ॥

पप	पम	मग	गम	मप	प	प	प
अश	रण	शर	णशा	न्ति	के	धा	म
मम	मग	रे-	गम	गरे	रेसा	सा	सा
मुझे	ऽभ	रोऽ	साऽ	तेऽ	राऽ	रा	म
पप	पम	मग	गम	मप	प	प	प
अश	रण	शर	णशा	न्ति	के	धा	म
मम	मग	रे-	गम	गरे	रेसा	सा	सा
मुझे	ऽभ	रोऽ	साऽ	तेऽ	राऽ	रा	म
सासा	-सा	सा	सानि	सारे	रेसा	रे	ग
मुझे	ऽभ	रो	साऽ	तेऽ	राऽ	रा	म
गग	गग	ग	गम	गरे	रेसा	सा	सा
मुझे	ऽभ	रो	साऽ	तेऽ	राऽ	रा	म
सासा	सासा	सा	सानि	सारे	रेसा	रे	ग
मुझे	ऽभ	रो	साऽ	तेऽ	राऽ	रा	म
गग	गग	ग	गम	गरे	रेसा	सा	सा
मुझे	ऽभ	रो	साऽ	तेऽ	राऽ	रा	म
X		0		X		0	

कहरवा ताल –(8 मात्रा) – दुगुन में बजाई जायेगी

राम राम

धुन नं० -(7) पृ० -14

रामाय नमः श्री रामाय नमः,
रामाय नमः श्री रामाय नमः ।

प	प	प	पध	पध	नि	ध	प
श	मा	य	नऽ	मः	ऽ	श्री	ऽ
ग	ग	म	प	म	म	ग	म
श	मा	य	न	मः	ऽ	ऽ	ऽ
प	प	प	पध	पध	नि	ध	प
श	मा	य	नऽ	मः	ऽ	श्री	ऽ
ग	ग	म	प	म	म	ग्रे	सा
श	मा	य	न	मः	ऽ	ऽऽ	ऽ
सा	सा	नि़	सा	रे	रे	ग	म
श	मा	य	न	मः	ऽ	श्री	ऽ
रे	रे	ग	रे	सा	सा	सा	सा
श	मा	य	न	मः	ऽ	ऽ	ऽ
सा	सा	नि़	सा	रे	रे	ग	म
श	मा	य	न	मः	ऽ	श्री	ऽ
रे	रे	ग	रे	सा	सा	सा	सा
श	मा	य	न	मः	ऽ	ऽ	ऽ
×		०		×		०	

ताल कहरवा -(8 मात्रा) - दुगुन में बजाथी जाती है

राम राम

श्री रामशरणम् इन्टरनेशनल सेन्टर, नई दिल्ली
वेबसाइट: www.shreeramsharnam.org

धुन नं० - (8)

अहं भजामि रामं,
सत्यं शिवं मंगलम् ।
सत्यं शिवं मंगलम्,
सत्यं शिवं मंगलम् ॥

पप	पम	मग	गम	मप	प	पप	प
अह	मम	जाऽ	मिऽ	शाऽ	ऽ	मम्	ऽ
मग	गरे	रे-	गम	गरे	रेसा	सा	सा
सर	यम	शिऽ	वम्	मंऽ	गऽ	ल	म्
पप	पम	मग	गम	मप	प	पप	प
अह	मभ	जाऽ	मिऽ	शाऽ	ऽ	मम्	ऽ
मग	गरे	रे-	गम	गरे	रेसा	सा	सा
सर	यम्	शिऽ	वम	मंऽ	गऽ	ल	म
सासा	सासा	सा-	सानि	सासा	रेसा	रे	ग
सर	यम्	शिऽ	वमं	मंऽ	गऽ	ल	म्
गग	गग	ग-	गम	गरे	रेसा	सा	सा
सर	यम्	शिऽ	वम	मंऽ	गऽ	ल	म्
सासा	सासा	सा-	सानि	सासा	रेसा	रे	ग
सर	यम	शिऽ	वम्	मंऽ	गऽ	ल	म्
गग	गग	ग-	गम	गरे	रेसा	सा	सा
सर	यम्	शिऽ	वम	मंऽ	गऽ	ल	म्
X	0			X	0		

ताल कहरवा - (8 मात्रा) - दुगुन में बजायी जाती है।

नोट - सभी धुनों में कहरवा ताल - (8 मात्रा) चौगुन में भी बजायी जा सकती है।

Facebook Group: https://www.facebook.com/groups/shreeramsharnamnewdelhi/
Community page: https://www.facebook.com/ShreeRamSharnam.AmritvaniSatsang.NewDelhi

पृ॰-16

वृद्धि-आस्तिक भाव की, शुभ मंगल संचार।
अभ्युदय सद्धर्म का, राम नाम विस्तार॥ (२)

ध़ ध़ सा सा सा सा रे
वृ द्धि ऽ आ स्ति त क

रे म म ग म – – –
भा ऽ ऽ व की ऽ ऽ ऽ

म म प म ग ग
शु भ मं ऽ ग ल

रे सा रे ग – – रे रे सा सा
सं ऽ चा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ र

सा रे –रे रे रे
अऽ भ्यु द य

रे सा सा ग रे सा नि़ – –
स द् ध ऽ ऽ र्म का ऽ ऽ

सा – रे सा ग ग
रा ऽ म ना ऽ म

रे –सा सा – – सा
वि ऽस् ता ऽ ऽ र

(२ बार)

'राम राम'